Table of Contents

1. रामप्रसाद 'बिस्मिल' का परिचय
2. मेरी माँ का सारांश
3. केंद्रीय भाव एवं विषय
4. महत्वपूर्ण उद्धरण एवं पंक्तियों की व्याख्या

रामप्रसाद 'बिस्मिल' का परिचय

रामप्रसाद 'बिस्मिल' भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक महान क्रांतिकारी थे। उन्होंने 'सरफरोशी की तमन्ना' जैसे प्रसिद्ध तराने लिखे। मात्र तीस वर्ष की आयु में अंग्रेज़ सरकार ने उन्हें फाँसी की सजा दी। वे एक प्रतिभाशाली कवि और लेखक भी थे। उनकी आत्मकथा "निज जीवन की एक छटा" काफी चर्चित रही, जिसमें "मेरी माँ" नामक अंश भी शामिल है।

मुख्य बिंदु

- स्वतंत्रता संग्राम में योगदान
- कवि और लेखक के रूप में प्रतिभा
- आत्मकथा "निज जीवन की एक छटा"
- फाँसी की सजा और देशभक्ति

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

भगत सिंह ने कहा था, "यदि किसी और जगह या समय पैदा हुए होते तो सेनाध्यक्ष बनते।"

अभ्यास प्रश्न

- रामप्रसाद 'बिस्मिल' कौन थे और उनका स्वतंत्रता संग्राम में क्या योगदान था?
- उनकी आत्मकथा का क्या महत्व है?

उत्तर कुंजी

- रामप्रसाद 'बिस्मिल' एक क्रांतिकारी, कवि और लेखक थे जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी।
- उनकी आत्मकथा ने लोगों में देशभक्ति की भावना जगाई और अंग्रेजों को चुनौती दी।

शब्दावली

- सरफरोशी: बलिदान की इच्छा
- तराना: देशभक्ति गीत
- आत्मकथा: स्वयं के जीवन का वर्णन

मेरी माँ का सारांश

"मेरी माँ" रामप्रसाद 'बिस्मिल' की आत्मकथा का एक अंश है जिसमें वे अपनी माँ के प्रति अपने प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता को व्यक्त करते हैं। वे बताते हैं कि उनकी माँ ने उन्हें शिक्षा और साहस दिया, उनके जीवन में कठिनाइयों के समय उनका समर्थन किया और उन्हें सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

मुख्य बिंदु

- माँ का जीवन परिचय और शिक्षा
- माँ का प्रोत्साहन और समर्थन
- सत्य और धर्म के प्रति दृढ़ता
- माँ की शिक्षा और सामाजिक उन्नति में भूमिका
- माँ के प्रति प्रेम और कृतज्ञता

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"माताजी का सबसे बड़ा आदेश मेरे लिए यही था कि किसी की प्राणहानि न हो।"

हल किए गए उदाहरण

रामप्रसाद बताते हैं कि उन्होंने वकील के कहने पर भी अपने पिता के हस्ताक्षर नहीं किए क्योंकि यह धर्म विरुद्ध था। यह उनकी सत्यनिष्ठा को दर्शाता है।

अभ्यास प्रश्न

- रामप्रसाद 'बिस्मिल' की माँ ने उनके जीवन में क्या भूमिका निभाई?
- उनकी माँ के कौन-कौन से गुण उनके जीवन में प्रभावशाली रहे?
- रामप्रसाद ने सत्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कैसे दिखाई?

उत्तर कुंजी

- माँ ने रामप्रसाद को शिक्षा, साहस और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी।
- उनकी माँ का धैर्य, प्रेम और प्रोत्साहन उनके जीवन में महत्वपूर्ण था।
- रामप्रसाद ने धर्म विरुद्ध कार्य करने से मना किया और सत्य का पालन किया।

शब्दावली

- सत्यनिष्ठा: सत्य के प्रति ईमानदारी
- धर्मविरोधी: धार्मिक नियमों के खिलाफ
- प्रोत्साहन: हौसला बढ़ाना

केंद्रीय भाव एवं विषय

इस आत्मकथा अंश में मातृत्व प्रेम, शिक्षा का महत्व, सत्यनिष्ठा, देशभक्ति और संघर्ष की भावना प्रमुख विषय हैं। रामप्रसाद 'बिस्मिल' ने अपनी माँ के प्रति गहरा सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की है, जो उनके जीवन के आधार स्तंभ थे।

मुख्य बिंदु

- मातृत्व प्रेम और त्याग
- शिक्षा और सामाजिक उन्नति
- सत्य और धर्म का पालन
- देशभक्ति और संघर्ष

अभ्यास प्रश्न

- इस अंश में मातृत्व प्रेम का क्या महत्व है?
- रामप्रसाद 'बिस्मिल' के जीवन में शिक्षा का क्या स्थान था?

उत्तर कुंजी

- मातृत्व प्रेम ने रामप्रसाद को जीवन में साहस और नैतिकता दी।
- शिक्षा ने उन्हें सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से उन्नत किया।

शब्दावली

- मातृत्व: माँ से संबंधित
- त्याग: बलिदान
- सामाजिक उन्नति: समाज में प्रगति

महत्वपूर्ण उद्धरण एवं पंक्तियों की व्याख्या

"जन्मदात्री जननी! इस जीवन में तो तुम्हारा ऋण उतारने का प्रयत्न करने का भी अवसर न मिला।"

यह पंक्ति माँ के प्रति गहरे प्रेम और कृतज्ञता को दर्शाती है। रामप्रसाद यहाँ अपनी माँ के प्रति अपने ऋणी होने की भावना व्यक्त करते हैं।

Prepzy

"माताजी का सबसे बड़ा आदेश मेरे लिए यही था कि किसी की प्राणहानि न हो।"

यह उद्धरण सत्य और अहिंसा के प्रति माँ के आदर्शों को दर्शाता है, जो रामप्रसाद के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अभ्यास प्रश्न

- इन उद्धरणों से आप रामप्रसाद की माँ के व्यक्तित्व के बारे में क्या समझते हैं?
- रामप्रसाद के जीवन में माँ के आदर्शों का क्या प्रभाव था?

उत्तर कुंजी

- माँ एक दयालु, शिक्षित और नैतिक महिला थीं।
- उनके आदर्शों ने रामप्रसाद को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

शब्दावली

- ऋण: कर्ज या कृतज्ञता
- अहिंसा: किसी को हानि न पहुँचाना